

मुलजिम की हाजरी बाबत मुचलका व जमानत नामा

(जाबता फौजदारी दफा 91)

ब अदालत श्री.....

..... बनाम

मजिस्ट्रेट दर्जा.....

मुकदमा नम्बर.....

मै..... वल्द कौम.....

साकिन..... पर जुर्म.....

आयद किया जाकर मुझे साहब मजिस्ट्रेट के रुबरू हाजिर किया गया है ओर अदालत मे हाजरी बाबत मुचलका मतलुब होने से मै अपने आपको इस बात के लिये पाबन्द करता हुं कि इस जुर्म के दरियाफत और तहकीकात के मुताबिक तारिख पेशी..... व हर पेशी पर या

जब कभी हाजरी मतलुब होगी मै मजिस्ट्रेट मजकूर की अदालत या अदालत में मेरा मुकदमा मुत्तकिल किया जाएगा, हाजिर हो जाऊंगा और गलती करूंगा तो रु 0अक्षरे.....

..... रु राजस्थान सरकार में मुझ से जब्त कर लिया जाने का मै अपने आपको पाबन्द करता हू। तारिख..... माह सन 200.....

दस्तखत

मैं / हम..... वल्द..... कौम.....

साकिन.....

मुश्तकरन व मुनफरदन अपने आपको या हर जरिये हाजिर.....

..... मजकूर के जामिन करार देता हूं / देते है कि उसके खिलाफ आयद किए हुए जुर्म की दरियाफत और तहकीकात के मुताबिक हर तारिख पेशी..... पर या

जब कभी इसकी हाजरी मतलुब होगी या जिस अदालत में मुकदमा मुत्तकिल किया जायेगा पेश करूंगा इसमें गलती करूंगा तो रु) अक्षरे रुपये राजस्थान सरकार

मैं मुझ से जब्त किये जाने का मै / हम अपने आपको पाबन्द करता / करते हैं ।

दस्तखत

तसदीक

मैं..... वल्द..... कौम.....

साकिन..... जिला..... तसदीक करता हु। मुसम्मी.....

..... वल्द..... कौम..... साकिन.....

..... की है हैसियत) रुपये की है और इसके खुद का मकान

भी है । इसको मैं जानता हुं । फक्त तारिख..... माह..... सन् 200

दस्तखत